Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 24-03-2005
Participants : Bisen Shri Gauri Shankar Chaturbhuj

Title: Need to provide financial assistance to the state of Madhya Pradesh to deal with the drought situation in the state.

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूँ कि मध्य प्रदेश भीाण अकाल की चपेट में है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is too much. Please sit down. Nothing will be recorded except Shri Gaurishanker Chaturbhuj Bisen's statement.

(Interruptions) ...*

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन : राज्य के 21 जिलों की 56 तहसीलें सूखे से प्रभावित हैं।

13.00 hrs.

भारत सरकार के द्वारा सिर्फ 36.30 करोड़ रुपए ही उपलब्ध कराए गए हैं।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Only the statement of the hon. Member, whom I called, will be recorded.

(Interruptions) ...*

MR. SPEAKER: I cannot hear more than one Member

*Not Recorded.

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन : जबकि राज्य सरकार ने 724 करोड़ रुपए एवम् 7.64 लाख मीट्रिक टन अनाज मांगा था। मेरे संसदीय क्षेत्र में चार तहसीलें सूखा प्रभावित हैं। अभी तक वहां मात्र दो करोड़ रुपए का काम हुआ है। भारत सरकार द्वारा राज्य को सूखे से बचाने के लिए कम से कम 200 करोड़ रुपए और आवश्यकतानुसार अनाज तुरंत दिया जाना चाहिए। यदि इसका प्रबंधन नहीं किया गया, तो वहां स्थिति और भयावह हो जाएगी। इस वक्त वहां से लोगों का पलायन हो रहा है, क्योंकि लोगों को काम नहीं मिल रहा है। वहां पेयजल का भीाण संकट है। मैं भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश को 200 करोड़ रुपए मद 58 के अंतर्गत और आवश्यकतानुसार खाद्यान्न तुरंत उपलब्ध कराया जाए।

अध्यक्ष महोदय : आप सब संक्षेप में बोलें। अगर लम्बी-चौड़ी बात करेंगे तो काम कैसे चलेगा।

श्री गौरीशंकर चतुर्भुज बिसेन : हमने 724 करोड़ रुपए की मांग की थी, लेकिन 36 करोड़ रुपए ही दिए गए हैं। वहां से लोग पलायन कर रहे हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र में आठ तहसीलों में से चार सूखी हैं और पैसे के अभाव में काम रुका हुआ है, कोई योजना नहीं चल रही है और लो भुखमरी की स्थिति में आ गए हैं।